



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधि रेण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) १ शं पा. १३१४

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ११] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी ४, १९७४/पौष १५, १८९५

No. ११] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 4, 1974/PAUSA १५, १८९५

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 3rd January 1974

S.O. 17(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for securing the defence of India and for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the Food Corporation of India would prejudicially affect the defence of India and for maintaining supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said Corporation;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits, any strike in connection with any industrial dispute in the said Corporation for a period of six months with effect from the 4th January, 1974.

[No. F. S.42025/14/73.LR.I]

N. P. DUBE, Add. Secy.

अमंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1974

का० आ० 17(अ).—यतः केन्द्रीय सरकार की राय में भारत की रक्षा को सुरक्षित करने और समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवायें बनाये रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

और यतः भारत खाली निगम में कोई हड्डताल भारत की रक्षा और समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवाओं को बनाये रखने के लिए प्रतिकूल प्रभाव डालेगी, इसलिए उक्त निगम में हड्डतालों की रोकना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, अब, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा उक्त निगम में किसी भी आद्योगिक विवाद से सम्बन्धित हड्डताल को 4 जनवरी, 1974 से छः माह के लिए प्रतिषिद्ध करती है।

[मं० फा० एम० 42025/14/73—एल० आर० 1]

निं० प्र० दुर्गे, अपर सचिव।